!! सफलता की कहानी !!

!! नवीन तकनीकि ने मक्का का उत्पादन बढ़ाया !!

कृषक का नाम : सुंदरलाल
पिता का नाम : उमराव
ग्राम का नाम : बढ़चापड़ा
विकासखण्ड का नाम : केसला
जिला : होशंगाबाद
रकबा : 6 एकड़

मैं सुंदरलाल, पिता का नाम उमराव, ग्राम का नाम बढ़चापड़ा, विकासखण्ड केसला का निवासी हूॅ। मेरे पास कुल 6.00 एकड़ भूमि है। पहले मेरी आय इतनी कम थी। कि मेरे परिवार का भरण पोषण करना बहुत ही कठिनाई से कर पाता था।

मैं विगत 4–5 वर्षो से कृषि विभाग के संपर्क में रह रहा हूॅ। मेरे क्षेत्र में कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से संपर्क में रहता हूॅ। मैंने जमीन भूमि उपचार से लेकर बीज बोनी की विधि व जैविक खाद एवं कल्चर उपयोग करने की विधि सबकुछ ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी से सीखा। पूर्व में हमारे गॉव में खरीफ में सोयाबीन एवं रबी में गेंहूॅ जैसे फसलो की बुआई करते थे। जिससे बीज अधिक व कीट व्याधि का प्रकोप बहुत ज्यादा होता था। जिससे लागत अधिक व आमदनी कम होती थी। किंतु अब कृषि विभाग की सलाह से सोयाबीन में 18 इंच पर रीज फरो से बुआई करना व मक्का में मेढ़, नाली पद्धति से बोआई करना, यह सब कृषि विभाग की सलाह से सीखने को मिला। अब विभाग की सलाह से में मक्का की फसल बोनी करने लगा हूॅ। जिससे मुझे अच्छा उत्पादन होने लगा है।

मैंने राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत घटक संकर मक्का बीज वितरण एवं राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अंतर्गत कृषक प्रशिक्षण में भी भाग लिया जिससे कि पूरी राष्ट्रीय कृषि विकास योजना एवं विभाग की अन्य योजनाओ की जानकारी तथा मूॅग/चना बोने की आधुनिक तकनीक सिखाई गई। जिससे मुझे एवं मेरे ग्राम के कृषको को बहुत लाभ हुआ। प्रशिक्षण से प्रभावित होकर मैंने वैज्ञानिक तरीको से खेती प्रारंभ कर दी। जिससे मुझे पहले की अपेक्षा अधिक उत्पादन हुआ है।

ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी ने मुझे गोबर गैस बनाने की सलाह दी। जिससे मुझे बहुत ही अच्छी सड़ी गोबर की खाद खेत में उपयोग हेतु मिल रही है। एवं मेरे घर को भोजन पकाने में गैस का उपयोग होने लगा है। जिससे घर पर परिवार वालो को बहुत राहत मिली है। एवं ईधन हेतु खर्चा भी कम हो गया है।

मैने कृषि विभाग से दवा छिड़कने हेतु स्प्रे पंप व सिंचाई करने हेतु स्प्रिंकलर सेट अनुदान पर प्राप्त किया। जिससे कम समय में अधिक सिंचाई एवं पानी की बचत होती है। स्प्रिंकलर सेट बोने से गर्मी में दो एकड़ में मूँग की फसल लेता हूँ। जिससे मुझे बहुत अच्छी अतिरिक्त आमदनी होने लगी है। मैं भविष्य में भी कृषि विभाग के सतत् संपर्क में रहकर महत्वपूर्ण जानकारियॉ प्राप्त कर अन्य कृषको तक पहुँचाने का प्रयास करूंगा। मैं कृषि विभाग एवं कृषि अधिकारियों का बहुत आभारी हूँ। जिन्होने मुझे खेती करने के तरीके व कम लागत में अधिक उत्पादन लेने की तकनीक सिखाई है